संयुक्तविद्यावारिधि (पीएच. डी.) प्रवेशपरीक्षा निर्देशिका–2016

Combined Vidya-Varidhi (Ph.D.) Entrance Test (CVVET) Guidelines-2016

For the Three Sanskrit Deemed Universities :

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, NEW DELHI
RASHTRIYA SANSKRIT SANSTHAN, NEW DELHI
RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI

संयोजकसंस्था-श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्

(मानितविश्वविद्यालयः), बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्,
कटवारियासराय, नवदेहली-110016

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
(DEEMED UNIVERSITY)

B-4, Qutub Institutional Area, Katwaria Sarai, New Delhi-110016
Ph: 011-46060500/635/687, Tele Fax: 011-46060550
Website : www.slbsrsv.ac.in
e-mail : educationlbs@slbsrsv.ac.in

COMBINED VIDYA VARIDHI (Ph.D) ENTRANCE TEST (CVVET-2016)

FOR THE THREE SANSKRIT DEEMED UNIVERSITIES

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, NEW DELHI

RASHTRIYA SANSKRIT SANSTHAN, NEW DELHI

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI

ADMISSION NOTICE-2016

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi will conduct Combined Vidyavaridhi (Ph.D) Entrance Test - 2016 (CVVET) at specified centres in different parts of the country. Eligible candidates can apply.

Important dates: Issue and receipt of application cum guidelines-from 4th January 2016 to 19th February 2016.
Date of Examination: 8-05-2016, Sunday from 2.30 p.m. to 5.40 p.m.

HOW TO OBTAIN APPLICATION FORM & APPLY :

1. By submitting crossed Demand Draft of Rs. **1000/-in person** in any of the following places **or Rs. 1050/- by post** by sending a request to the Co-ordinator, CVVET S.L.B.S. Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi. All Demand Drafts should be in favour of **"Registrar, Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi - 110 016** of any nationalised bank payable at New Delhi.

2. Application form and Guidelines can also be downloaded from the **website :slbsrsv.ac.in** and sent along with Demand Draft of Rs. 1000/- to the above-mentioned address at New Delhi.

3. All the duly filled in application alongwith necessary enclosures should be sent to the Co-ordinator, CVVET, Shri L.B.S. Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi only by Regd./Speed Post/By hand within due date.

Application available at, 1. Shri L.B.S.R.S. Vidyapeetha, B-4, Qutub Institutional Area, Katwaria Sarai, New Delhi-16. **2. Rashtriya Sanskrit Sansthan,** 56-57, Institutional Area, D-Block, Janakpuri, New Delhi-58 **3. R.S.Vidyapeetha, Tirupati-517507** (A.P.) **4.** R.Skt.Sansthan **Shri Ranbir Campus,** Kot Bhalwal-181 122, Jammu: **5.** R.Skt. Sansthan **Jaipur Campus,** Gopalpura Byepass, Triveni Nagar, Jaipur-302018, Rajasthan, **6.** R.Skt. Sansthan, **Vedvyasa Campus, Garli, Tehsil Dehra, Kangra, Dist. 177108 , H.P. 7.** R.Skt. Sansthan**, Lucknow Campus, Vishal Khand-4, Gomti Nagar, Lucknow-226010 U.P. 8.** R. Skt. Sansthan, **Ganganath Jha Campus,** Chandrashekhar Azad Park, Company Bagh, Allahabad- 211 002 U.P. **9.** R.Skt. Sansthan, **Bhopal Campus** Sanskrit Marg, Bagh Sevania, Bhopal-562 043, M.P. **10.** R.Skt. Sansthan, **Shri Sadashiv Campus,** Puri-752001, Odisha. **11.** R.Skt.Sansthan, **K.J.Somaiya Sanskrit Vidyapeetha,** II Floor, SIMSR Building, Vidya Vihar, Mumbai-400077, Maharashtra. **12.** R.Skt.Sansthan, **Rajiv Gandhi Campus** Menase, Sringeri 577139, Karnataka, **13.** R.Skt.Sansthan, **Guruvayur Campus,** Puranattukara, Thrissur-680 551 Kerala **14.** R.Skt. Sansthan **Eklavya Parisar** Mohan pur, west Tripura, Tripura.

Examination Centres: **Shimla, Hamirpur (H.P), Chandigarh, Delhi, Lucknow, Varanasi, Haridwar, Bengaluru, Thrissur, Jaipur, Jodhpur, Udaipur, Kolkata, Muzaffarpur, Mumbai, Bhopal, Tirupati, Agartala, Puri, Cuttack and Bhubaneshwar.**
(for details see website www. slbsrsv.ac.in

Contact Phone Nos. 011- 46060500 & Fax : 011- 46060550, 46060635

REGISTRAR

संयुक्त विद्यावारिधि (पीएच.डी) प्रवेश परीक्षा 2016

तीन मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों के लिए { **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ ,नईदिल्ली**
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

प्रवेश सूचना-2016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, देश के विभिन्न भागों मे निर्धारित केन्द्रों पर संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा कराने जा रहा है। अर्ह छात्र आवेदन कर सकते हैं।

प्रमुख तिथियां-आवेदन पत्र प्राप्ति एवं प्रेषण - 4 जनवरी 2016 से 19 फरवरी 2016
परीक्षा तिथि-8.05.2016 रविवार, प्रातः 2.30 बजे से 5.40 तक

आवेदन पत्र तथा निर्देशिका कैसे प्राप्त करें?

1. निम्नलिखित किन्हीं स्थानों से **रु. 1000/-** का रेखांकित डिमाण्ड ड्राफ्ट प्रस्तुत करने या डाक द्वारा रुपये **1050/-** का ड्राफ्ट प्रार्थना पत्र सहित संयोजक, सं.वि.वा.प्र.परीक्षा, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के नाम भेजकर ड्राफ्ट' **रजिस्ट्रार, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ**'' के पक्ष में तथा किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत हो सकते हैं, जोकि नई दिल्ली में देय होने चाहिए।
2. आवेदन पत्र वेबसाइट- **www.slbsrsv.ac.in** से भी निकालकर **रु. 1000/-** के ड्राफ्ट सहित भरकर ऊपर निर्दिष्ट पते पर नई दिल्ली भेज सकते हैं।

आवेदन पत्र प्राप्ति स्थान-

1. श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ, बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-16 **2.** रा. सं. संस्थान, 56-57 इंस्टीटयूशनल एरिया, डी ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 **3.** रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति-517 507 (आ.प्र.) **4.** रा.सं.सं., श्री रणबीर परिसर, कोट भलवाल-181 122, जम्मू, **5.** रा. सं. स. जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर-302 018, **6.** रा. सं. स. वेदव्यास परिसर, गरली, तह, देहरा, कांगडा जिला-177 189, हि.प्र., **7.** रा. सं. स. लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ. प्र., **8.** रा. सं. स. गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, कम्पनी बाग, इलाहाबाद-211 001, उ.प्र. **9.** रा. सं. स., भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया, भोपाल-462 043, म. प्र., **10.** रा. सं. स., श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752 001, ओडिशा, **11.** रा. सं. स., के. जे. सोमैया, संस्कृत विद्यापीठ, दूसरा माला बिल्डिंग, विद्या विहार, मुम्बई- 400 077, महा., **12.** रा. सं. स., राजीव गांधी परिसर, मेनासे,शृंगेरी-577139 कर्नाटक, **13.** रा. सं. स., गुरुवायूर परिसर पुरनाट्टुकरा, त्रिश्शूर-680 551 केरला **14.** रा.सं.संस्थान, एकलव्य परिसर, मोहनपुर, पश्चिमी त्रिपुरा, त्रिपुरा

परीक्षा केन्द्र- शिमला, हमीरपुर (हि.प्र.), चंडीगढ़, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, हरिद्वार, बेंगलूरु, त्रिश्शूर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोलकाता, मुजफ्फरपुर, मुम्बई, भोपाल, तिरुपति, अगरतला, पुरी, कटक और भुवनेश्वर। ,
(विस्तृत विवरण के लिए वेबसाईट **www.slbsrsv.ac.in** देखें)

सम्पर्क दूरभाष : 011-46060500 फैक्स : 46060550, 46060635

कुलसचिव

विषयानुक्रमणिका

क्रमाङ्कः	विषयः	पृष्ठसंख्या
1.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः परिचयः Introduction of C.V.V.E.T.	4
2.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः सम्बद्धविश्वविद्यालयानां परिचयः Introduction of Universites related to C.V.V.E.T.	4
3.	शोधोपाधेः नाम Name of the Degree	6
4.	उपलब्धस्थानसंख्या Available Seats	7
5.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते अर्हता Eligibility for CVVET	8
6.	छात्रवृत्तिः Scholarship	10
7.	परीक्षाकेन्द्रस्थानानि Examination Centres	10
8.	आवेदनात् पूर्वं ध्यातव्यानि तथ्यानि Notable Points Before applying	10
9.	विशेषटिप्पणी Special note	11
10.	(अ) संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः स्वरूपञ्च Syllabus and format of C.V.V.E.T. 2016	12
	(ब) प्रश्नपत्रप्रारूपम् Question Paper Format	12
11.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाम् उत्तीर्णतायै अपेक्षिताङ्कप्रतिशतम् Minimum Pass Percentage Required for Passing C.V.V.E.T.	20
12.	प्रश्नपत्रस्य उदाहरणम् Sample of Question Paper	21
13.	आवेदनपत्रविषयकाणि आवश्यकतथ्यानि Important Points for Filling the Application Form	25
14.	आवेदनपत्रम् अ, ब, स Application form A, B, & C	

1. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा- 2016 परिचयः /संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा 2016 का परिचय / Introduction of Combined Vidya-Varidhi Entrance Test - 2016(CVVET)

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा 2016 अधोलिखितेषु त्रिषु विश्वविद्यालयेषु एवं विद्यावारिधिपाठ्यक्रमे प्रवेशार्थं सम्पत्स्यते। अतः यत्र प्रवेशः इष्यते तदनुसारम् आवेदनपत्रे विश्वविद्यालयस्य नामोल्लेखनं करणीयम्।

1. श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, कटवारिया सराय, नव देहली।
2. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली तदीय दशपरिसरेषु,
3. राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् तिरुपतिः।

यह संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा 2016 निम्नलिखित तीन विश्वविद्यालयों में विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए है। अतः जहाँ आप प्रवेश चाहते हैं, तदनुसार आवेदन पत्र में विश्वविद्यालय का नाम लिखिए।

1. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली
2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के दस परिसर।
3. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।

This Combined Vidya Varidhi Entrance Test - 2016 is meant for taking admission in VidyaVaridhi Course in the following three Universities. Hence, the name of the concerned University must be mentioned in the Application Form where the admission is desired

1. Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha,Katwaria Sarai, N.D.
2. 10 campuses of Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.
3. Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Tirupati

2. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा सम्बद्धविश्वविद्यालयानां संक्षिप्तः परिचयः / संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा सम्बद्ध विश्वविद्यालयों का संक्षिप्त परिचय / Brief Introduction of Universities Concerned with Combined VidyaVaridhi Entrance Test

अ. श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, (मानितविश्वविद्यालयः) नवदेहली

भारतराजधान्याम् अन्ताराष्ट्रियसंस्कृतविद्याकेन्द्रस्य आवश्यकतां पूरयितुम् अक्टूबर 1962 तमे ख्रिष्टाब्दे अस्यः संस्थायाः स्थापना अभूत्। अस्याः संस्थायाः पञ्जीकरणं श्रीमतां लालबहादुरशास्त्रिवर्याणामाध्यक्ष्ये 28.10.1963 तमे ख्रिष्टाब्दे समभवत्। 1970 ख्रिष्टाब्दादारभ्य राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्याधीनं विद्यमानम् इदम् विद्यापीठं 01.11.1991 तमे ख्रिष्टाब्दे भारतशासनस्य अधिसूचनानुसारं मानितविश्वविद्यालयरूपेण प्रवर्तते। विद्यापीठेऽस्मिन् विभिन्नशास्त्रीयेषु विषयेषु शास्त्री (बी.ए.) आचार्यः (एम.ए.) विद्यावारिधिः (पीएच्.डी.) इत्यादिभिः पाठ्यक्रमैस्सह शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) शिक्षाचार्यः (एम.एड्.) विशिष्टाचार्यः (एम्.फिल्.) इति पाठ्यक्रमाः प्रवर्तन्ते। एते पाठ्यक्रमाः वशिष्टाचार्यः संस्था राष्ट्रिय-अध्यापकशिक्षापरिषदा विश्वविद्यालयानुदानेन अखिलभारतीयविश्वविद्यालयसंघेन च अङ्गीकृताः। विद्यापीठमिदं बेंगलूरस्थराष्ट्रीयप्रत्यायनमूल्याङ्कंन परिषदा NAAC इत्याख्यया प्रथम श्रेण्या 'ए' इति ग्रेड्द्वारा प्रत्यायितं मूल्याङ्कंत च वर्तते।

भारत की राजधानी में एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षाकेन्द्र के अभाव की पूर्ति के उद्देश्य से अक्टूबर 1962 को संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की गई। 28 अक्टूबर 1963 को श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की अध्यक्षता में इसका पंजीयन किया गया। सन् 1970 से राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के तत्त्वावधान में प्रारम्भ होकर 01.11.1991 से यह संस्था मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्यरत है। यह विश्वविद्यालय विभिन्न शास्त्रीय विषयों-शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.), विद्यावारिधि (Ph.D.), शिक्षाशास्त्री (B.Ed.), शिक्षाचार्य (M.Ed), एवं विशिष्टाचार्य (M.Phil.) पाठ्यक्रमों को भी सञ्चालित करता है। सभी पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह संस्था भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सूची में भी है।

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth was established on October, 1962 in order to fulfil the need of an International Centre for Sanskrit Studies and got registered on 1963, 28th October under the Presidentship of Hon'ble Lal Bahadur Shastri. From 1970 the Vidyapeetha functioned under Rashtriya Sanskrit Sansthan. Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha started functioning fully as a Deemed University from 01.11.1991. Vidyapeetha offers various courses ranging from Shastri (B.A.), Acharya (M.A.), Vishishtacharya (M.Phil) to Vidyavaridhi (Ph.D) including Shiksha Shastri (B.Ed) and Shiksha Acharya (M.Ed). All these courses are duly recognized by NCTE and UGC, New Delhi. This institution is in the list of Association of Indian Universities, New Delhi.

ब. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) नवदेहली

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् भारतसर्वकारेण संस्कृत-आयोगस्य (1956-57) अनुशंसानुसारं संस्कृतस्य विकासार्थं प्रचारप्रसारार्थम् च केन्द्रीयसर्वकारस्य संस्कृतविषयकनीतीनां कार्यक्रमाणाञ्च क्रियान्वयनार्थं 15 अक्टूबर 1970 इति दिनाङ्के स्वायत्तसङ्घटनरूपेण संस्थापिता संस्था अस्ति। मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयद्वारा 07-05-2002 इति दिनाङ्के अयं बहुपरिसरीयः मानितविश्वविद्यालयः आघोषितः। एषा संस्था राष्ट्रिय-अध्यापकशिक्षापरिषदा, विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोगेन, अखिलभारतीय- विश्वविद्यालयसंघेन अपि मान्यताप्राप्ता वर्तते। देशस्य विभिन्नेषु भागेषु स्थितेषु अस्य दशपरिसरेषु प्राक्शास्त्रितः आरभ्य आचार्य/विद्यावारिधिपर्यन्तम् अध्ययनार्थं सुविधाः उपलब्धाः सन्ति। वर्तमाने अस्य दशपरिसरेषु शिक्षाशास्त्रिपाठ्यक्रमः अपि प्रवर्तते यत्र प्रवेशः अखिलभारतीयपूर्वशिक्षाशास्त्रिपरीक्षामाध्यमेन दीयते। जम्मू-जयपुर-पुरी-भोपालपरिसरेषु च शिक्षाचार्यपाठ्यक्रमोऽपि सञ्चाल्यते।

भारत सरकार ने संस्कृत आयोग (1956-1957) की अनुशंसा के आधार पर संस्कृत के विकास तथा प्रचार-प्रसार हेतु संस्कृत से सम्बद्ध केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के उद्देश्य से 15 अक्तूबर 1970 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में राष्ट्रियसंस्कृत संस्थान की स्थापना की। 7 मई, 2002 को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने इसे बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया। यह संस्था राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद्, विश्वविद्यालय अनुदान-आयोग, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह संस्था अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सूची में भी है। देश के विभिन्न भागों में स्थित इसके दस परिसरों में प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य/विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) पर्यन्त अध्ययन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके दस परिसरों में शिक्षाशास्त्रीपाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश शिक्षाशास्त्रीप्रवेशपरीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। जम्मू, जयपुर, पुरी और भोपाल परिसरों में शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम भी संचालित है।

The Government of India in pursuance of the recommendations of the Sanskrit Commission (1956-1957) established the Rashtriya Sanskrit Sansthan on 15th October 1970 as an autonomous organization for the purpose of implementing the policies and programmes of the Central Government for the development, propagation and promotion of Sanskrit. The Ministry of Human Resource Development, Govt. of India has declared it as Deemed University on 7th May, 2002. This organisation is also duly recognized by NCTE, U.G.C. and in the list of All India Association of Indian Universities. In its various campuses, facilities for the study of courses from Prak Shastri to Acharya/Vidya-Varidhi (Ph.D.) are available. In its ten campuses Shiksha Shastri (B.Ed.) course is also provided to which admission is given on the basis of Combined Pre-Shiksha Shastri Entrance Test (CSSET). Shiksha Acharya (M.Ed.) course is available in Jammu, Jaipur, Puri and Bhopal Campuses.

स. राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् (मानितविश्वविद्यालयः), तिरुपति :

आन्ध्रप्रदेशे तिरुमलापर्वतपादतले स्थितं राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठं भारतसर्वकारेण गठितस्य केन्द्रीयसंस्कृतायोगस्य अनुशंसानुसारं 1961 तमे वर्षे पारम्परिकसंस्कृतसाहित्यस्य आधुनिकशोधशैल्या प्रचारप्रसारार्थं तिरुपतौ संस्थापितम्। अप्रैल 1971 तमे वर्षे राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य संरक्षणे एषा संस्था शिक्षामन्त्रालयस्य स्वायत्तसंस्थारूपेण प्रतिष्ठापिता। 1987 तमे वर्षे विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोगस्य यू.जी.सी. अधिनियम 1956 इत्यनुसारम् एतत् विद्यापीठं मानितविश्वविद्यालयः इति आघोषितम्। अत्र प्राक्शास्त्रितः आरभ्य शास्त्री/ आचार्य/ विशिष्टाचार्य/ विद्यावारिधिपर्यन्तम् अध्ययनार्थं, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, शिक्षाशोध-कार्यक्रमाणाम् अध्यापनार्थच् प्रशिक्षणसुविधाः उपलभ्यन्ते।

आन्ध्र प्रदेश में तिरुमलापर्वत मूल में स्थित राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठ भारतसरकार द्वारा गठित केन्द्रीय संस्कृत आयोग की सिफारिश के अनुसार 1950 में पारम्परिकसंस्कृतसाहित्य के आधुनिक शोधशैली से प्रचार प्रसार के लिए तिरुपति में स्थापित

किया गया। अप्रैल 1971 वर्ष में राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के संरक्षण में यह संस्था शिक्षामन्त्रालय की स्वायत्तसंस्था के रूप में प्रतिष्ठापित की गई। 1987 में विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोग के यू.जी.सी. अधिनियम 1956 के अनुसार यह विद्यापीठ मानितविश्वविद्यालय घोषित किया गया। यहाँ प्राक्शास्त्री से लेकर शास्त्री/आचार्य/एम.फिल./ विद्यावारिधि तथा शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, शिक्षाशोधकार्यक्रमों के अध्यापन के लिए प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह संस्था भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सूची में है।

Located at the feet of Tirumala mountain in Andhra Pradesh, the Vidyapeetha was established at Tirupati in 1961 by the Govt of India on the recommendations of the Sanskrit commission (1957) for the study of traditional Sanskrit literature through modern research methodology. In April 1971, this institution was given the status of autonomous body by the Ministry of Education under the protection of Rashtriya Sanskrit Sansthan. In 1987 the Vidyapeetha was declared as Deemed University by the Govt. of India as per U.G.C. act 1956. Here teaching facilities are available for the study of courses ranging from Prak-shastri/ Acharya/ M.Phil./ Ph.D., Shiksha Shastri (B.Ed.), Shiksha Acharya (M.Ed.) etc.The courses of this organisation are duly recognized by NCTE and U.G.C. This Institution is in the list of All India Association of Indian Universities.

3. शोधोपाधेः नाम विषयाश्च / शोध उपाधि का नाम एवं विषय /

Name of the Research Degree and Subjects

अस्य शोधोपाधेः नाम विद्यावारिधिः (पीएच.डी) इति विद्यते। अस्य प्रमाणपत्रं आङ्गलभाषानुवादसहितेन संस्कृतेन सम्बद्ध- विश्वविद्यालयस्य दीक्षान्तसमारोहे/ अन्यस्मिन् कस्मिंश्चित् समारोहे वा प्रदास्यते। एषः उपाधिः अन्यविश्वविद्यालयेषु Ph.D. इति नाम्ना मान्यताप्राप्तः अस्ति।

अधोलिखिताः विषयाः विद्यावारिधिपाठयक्रमस्य भवितुमर्हन्ति-

1. साहित्यम् 2. प्राचीन व्याकरणम् 3. नव्यव्याकरणम् 4. फलित ज्योतिषम् 5. सिद्धान्त ज्यौतिषम् 6. प्राचीन न्यायवैशेषिकम् 7. नव्यन्यायः 8. अद्वैतवेदान्तः 9. विशिष्टाद्वैतवेदान्तः 10. द्वैतवेदान्तः 11. आगमः 12. मीमांसा 13. सांङ्ख्ययोगः 14. सर्वदर्शनम् 15. बौद्धदर्शनम् 16. जैनदर्शनम् 17. धर्मशास्त्रम् 18. पुराणेतिहासः 19, वेदः (सामान्याध्ययनम्) 20. शुक्लयजुर्वेदः, 21. पौरोहित्यम् (कर्मकाण्डः) 22. सामान्यसंस्कृतम् 23. शाब्दबोधाः (व्याकरणन्याय मीमांसानुसारेण) 24. द्वैताद्वैतवेदान्तः, 25. काश्मीरशैवदर्शनम् 26. वास्तुशास्त्रम् 27. प्राकृतभाषा 28. शिक्षाशास्त्रम् 29.संगणक विज्ञानम्

टिप्पणी-शोधकार्याय के विषयाः कुत्र उपलभ्यन्ते इति तत् विश्वविद्वालयस्य वेबसाइट मध्ये द्रष्टुं शक्यते।

इस शोधोपाधि का नाम विद्यावारिधि (पीएच.डी.) है। इसका प्रमाणपत्र अंग्रेजी भाषा में अनुवाद सहित संस्कृत भाषा में सम्बद्ध विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह/ अन्य किसी समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह उपाधि अन्य विश्वविद्यालयों में Ph.D. उपाधि के समतुल्य मान्यता प्राप्त है।

विद्यावारिधि पाठयक्रम में प्रवेश निम्नलिखित विषयों में ले सकते हैं-

1. साहित्य 2. प्राचीन व्याकरण 3. नव्यव्याकरण 4. फलित ज्योतिष 5. सिद्धान्त ज्योतिष 6. प्राचीन न्यायवैशेषिक 7. नव्यन्याय 8. अद्वैतवेदान्त 9. विशिष्टाद्वैतवेदान्त 10. द्वैतवेदान्त 11. आगम, 12. मीमांसा, 13. सांङ्ख्ययोग 14. सर्वदर्शन 15. बौद्धदर्शन 16. जैनदर्शन 17. धर्मशास्त्र 18. पुराणेतिहास, 19. वेद (सामान्याध्ययन) 20. शुक्लयजुर्वेद 21. पौरोहित्य (कर्मकाण्ड), 22. सामान्य संस्कृत 23. शाब्दबोधा (व्याकरण न्याय मीमांसा के अनुसार) 24. द्वैताद्वैतवेदान्त 25. काश्मीरशैवदर्शन 26. वास्तुशास्त्र 27. प्राकृत भाषा 28. शिक्षाशास्त्र 29. कम्प्यूटर साइंस

टिप्पणी-शोधकार्य के लिए उपलब्ध विषयों की जानकारी तीन विश्वविद्यालयों की वेबसाइट से ले सकते है ।

This degree in research is known as Vidya-Varidhi(Ph.D.) Its degree printed in Sanskrit alongwith English Translation will be awarded in its convocation or any other programme of the concerned University. The degree has been recognized as equivalent to Ph.D. degree awarded by other Universities.

The Vidya Varidhi Course is offered in the following Subjects.*

1. Sahitya; 2. Prachin Vyakarana; 3. Navya Vyakarana; 4. Phalita Jyotish; 5. Siddhanta Jyotish; 6. Prachin Nyayavisheshikam; 7. Navya Nyaya; 8. Advaita Vedanta; 9. Visistadvaita Vedanta; 10. Dvaita Vedanta; 11. Agama; 12. Mimamsa; 13. Sankhaya Yoga; 14. Sarvadarshana; 15. Boudha Darshana; 16. Jain Darshana; 17. Dharm Shastra; 18. Puranetihasa; 19. Veda (Samanya Adhyayan); 20. Shukla Yajurveda; 21. Pourohitya (Karamakand); 22. General Sanskrit; 23. Sabdabodha Systems (As per Vyakarana,Nyaya,Mimamsa); 24. Dvaitaadvaita Vedanta 25. Kashmirshaivadarshan; 26. Vastu Shastra; 27. Prakrit Language; 28. Education and 29. Computer Science.

***Note:Subjects offered by the University in Ph.D. can be seen in the Website of concerned University.**

4. उपलब्ध स्थानसंख्या / उपलब्ध स्थान संख्या / No. of Available Seats

यू. जी. सी. इति आयोगस्य निर्देशानुसारम् उपलब्धाचार्यसंख्यानुसारं शोधार्थिनां कृते प्रतिविश्वविद्यालयम् अधोलिखितानि स्थानानि विद्यन्ते–

अ.	श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठे नवदेहल्याम्	प्रायः 300 स्थानानि
ब.	राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थाने मुख्यालयेन सह् अस्य दशपरिसरेषु	उपलब्धास्थानानुसारम्
स.	राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठे तिरुपतौ	प्रायः 198 स्थानानि

प्रतिपदं शोधाार्थिसंख्या अधोलिखितानुसारं विद्यते–

(i)	आचार्यकृते	10
(ii)	उपाचार्यकृते	08
(iii)	सहायकाचार्यस्रते	06

विभागीय–/स्थानीयशोधसमितेः नियमानुसारम्, अथवा अन्यापरिहार्यकारणैः विश्वविद्यालयस्य कुलपतिः अस्यां संख्यायां परिवर्तनमपि कर्तुं शक्नोति।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार उपलब्ध अध्यापकों की संख्या के अनुरूप शोधार्थियों के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय में निम्नलिखित स्थान उपलब्ध हैं।

अ.	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	प्रायः 300 स्थान
ब.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय एवं इसके 10 परिसरों में	उपलब्ध स्थानों के अनुसार
स.	राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में	प्रायः 198 स्थान

प्रत्येक पद के लिए शोधार्थियों की संख्या निम्नलिखित है –

(i)	प्रति आचार्य	10
(ii)	प्रति सहाचार्य	08
(iii)	प्रति सहायकाचार्य	06

विभागीय-/स्थानीय शोध समिति की अनुशंसा के अनुसार अथवा अन्य किन्हीं अपरिहार्य कारणों से विश्वविद्यालय के कुलपति इस संख्या में परिवर्तन भी कर सकते है।

As per rules and regulations of U.G.C., the following no. of seats are available in each University as per the teaching staff available for the research students.

a.	Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, N. Delhi	Approximately 300 Seats
b.	Rashtriya Sanskrit Sansthan in its H.Q. and 10 Campuses	As per available Seats
c.	Rashtritya Sanskrit Vidyapeetha Tirupati	Approximately 198 Seats

The no. of research candidates allowed under each post is as follows.

(i)	Per Professor	10
(ii)	Per Associate Professor	8
(iii)	Per Asstt. Professor	6

The Vice-Chancellor can marginally change the number as per the recommendations of the Departmental/ Local Research Committee or due to any other unavoidable circumstances.

5. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते अर्हता / संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा के लिए अर्हता / Eligibility for Combined Vidya Varidhi Entrance Test.

5.1 ते सर्वे अभ्यर्थिनः ये संस्कृतसम्बद्धे कस्मिंश्चिद् विषये स्नातकोत्तरपरीक्षायाम्; विश्वविद्यालयानुदानायोगेन मान्यताप्राप्तविश्वविद्यालयात् अथवा मानितविश्वविद्यालयात् न्यूनतमान् पञ्चपञ्चाशत् (55%) प्रतिशतम् अङ्कान् प्राप्य उत्तीर्णाः स्युः, संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते अर्हाः भविष्यन्ति। शिक्षाशास्त्रि/शिक्षाचार्य/(च एव)तत्समकक्षपरीक्षायाम् अपि (55%) अङ्काः अपेक्षिताः। ये शिक्षाशास्त्रविषये आवेदनं कर्तुमभिलषन्ति तेषां संस्स्रतस्नातकोत्तर-(एम. ए. संस्स्रत/आचार्य) परीक्षायां (55%) अङ्कैः सह शिक्षाचार्ये अथवा तत्समकक्षे उपाधौ (55%) अङ्काः अपेक्षिताः सन्ति।

5.2 अनुसूचितजातीनाम् अनुसूचितजनजातीनां अन्यथासक्षमाणाम् अभ्यर्थिनां कृते संस्कृतविषयसम्बद्धायाम् आचार्यपरीक्षायाम् न्यूनतमानां (55%) अङ्कानाम् उपलब्धिः अपि मान्या भविष्यति।

5.3 विदेशीयाभ्यर्थिनः यैः कस्मादपि मान्यताप्राप्तविदेशीयविश्वविद्यालयात् संस्कृते/ संस्कृतसम्बद्धविषये वा न्यूनतमपञ्चपञ्चाशत्प्रतिशतम् अङ्काः प्राप्ताः तेऽपि भारतसर्वकारस्य विदेशविभागस्य मानवसंसाधानविकासमन्त्रालय माध्यमेन संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते आवेदनं कर्तुम् अर्हाः भविष्यन्ति।

5.4 संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायां तेऽपि अभ्यर्थिनः अर्हाः भविष्यन्ति, यैः स्नातकोत्तरपरीक्षा तु प्रदत्ता परन्तु येषाम् परिणामः घोषितः न स्यात्। एतैः अभ्यर्थिभिः पञ्चीकरणात् पूर्वम् निधारितयोग्यतानुरुपम् अङ्कपत्रम् अवश्यमेव प्रस्तोतव्यम्।

5.5 ये अर्हच्छात्राः विश्वविद्यालयानुदानायोगेन सचांलितायां शिक्षा/संस्कृतभाषायाम् जे.आर्.एफ/नेट/स्लेट्/एम.फिल. (विशिष्टाचार्य) परीक्षोत्तीर्णाः/विद्यावारिधिः उपाधिप्राप्ताः सन्ति ते विद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षालेखनात! **मुक्ताः(exempted) परं तैः अवश्यं विद्यावारिधिपरीक्षायाः आवेदनपत्रं शुल्कं च अनिवार्यरूपेण देयमस्ति।**

5.6 भारतशासनस्य नियमानुसारम् आरक्षणनीतेः पालनं करिष्यते (अनुसूचितजातिः 15%, अनसूचितजनजातिः - 7.5% अविकसितवर्गः -27%) एवं अन्यारक्षणं सर्व भारतसर्वकारस्य नियमानुसारं भविष्यति।

5.1 वे सभी विद्यार्थी जो संस्कृत के किसी भी विषय में आचार्य/एम.ए. (संस्कृत),तत्समकक्ष उपाधि, संस्थान के परिसरों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, मानितविश्वविद्यालयों से कम से कम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण हों वे सभी संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। जो शिक्षाशास्त्र में आवेदन करना चाहते हैं उन्हें शिक्षाचार्य (एम.एड.) अथवा तत् समकक्ष शिक्षाशास्त्र की स्नातकोत्तर उपाधि में 55% अंकों के साथ-साथ एम.ए. संस्कृत अथवा आचार्य में भी 55% अंक होने चाहिए।

5.2 अनुसूचितजाति/ अनुसूचितजनजाति/ अन्यथा सक्षम अभ्यर्थियों के लिए संस्कृत विषय सम्बद्ध आचार्यपरीक्षा में न्यूनतम (50%) अङ्कों की उपलब्धि भी मान्य होगी।

5.3 विदेशी विद्यार्थी जिन्होंने भारत के बाहर किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संस्कृत / शिक्षा में अथवा संस्कृत सम्बद्ध किसी शाखा में, स्नातकोत्तर उपाधि, न्यूनतम 55% अंक के साथ अथवा उसके समान श्रेणी में उत्तीर्ण की हो, वे सभी भारत-सरकार के **विदेश-विभाग** एवं **मानव-संसाधन-विकास-मन्त्रालय** के माध्यम से सं. वि. वा. प्र. परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

5.4. इस परीक्षा के लिए वे विद्यार्थी भी योग्य माने जायेंगे जिन्होंने स्नातकोत्तर परीक्षा दी हो किन्तु परिणाम घोषित न हुआ हो। ऐसे छात्रों के लिए निर्धारित योग्यता के अनुरूप अंकपत्र (आवश्यक प्रतिशत के साथ) पञ्जीकरण के पूर्व जमा करना अनिवार्य होगा।

5.5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सञ्चालित संस्कृत/शिक्षा में NET, JRF/ Lecturership/SLET, M.Phil/ Vishishtacharya परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र के लिए **संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा से छूट दी जाती है। परन्तु इन सभी छात्रों को आवेदन अपेक्षित शुल्क देकर करना अनिवार्य है।**

5.6 भारत सरकार के नियमानुसार आरक्षण नीति का पालन किया जायेगा (अनुसूचित जाति 15%, अनुसूचित जनजाति-7.5% अन्य पिछड़ा वर्ग-27%) एवं अन्य आरक्षण भारत सरकार के नियमानुसार होगें ।

5.1 All those candidates who want to appear in Vidyavaridhi Entrance Test should be Acharya/ M.A. (Sanskrit) or having an equivalent degree from Universities, duly recognised by University Grants Commission/Deemed Universities obtaining at least 55% marks in aggregate shall be permitted to apply for the CVVET. Those who wish to appear in Education should have M.A. Sanskrit with 55% of Marks along with Shiksha Acharya (M.Ed.) or equivalent P.G. Degree in Education with 55% of Marks.

5.2 For Candidates belonging to S.C/ S.T./ otherwise able catagories, minimum 50% marks in M.A. Sanskrit/ Sanskrit related subjects shall also be considered as eligible.

5.3 Foreign candidates who have passed Acharya/M.A. (Sanskrit) with 55% marks in the aggregate from any Deemed University outside India can also apply for the CVVET through the foreign department of the Govt. of India or the Ministry of Human Resource Development.

5.4. For appearing in the test, such candidates also shall be considered eligible who have appeared in Acharya/M.A. Sanskrit examination but their result is awaited. Such candidates shall be required to submit their mark-sheets showing the prescribed percentage of marks required for the registration, before the admission.

5.5 Those eligible candidates who have cleared NET/JRF/ Lectureship test/SLET, M.Phil in Sanskrit /Education are exempted from appearing for CVVET. But they must apply with required Fee.

5.6 Reservation policy of G.O.I. shall be followed (Scheduled Caste - 15%, Scheduled Tribes - 7.5%, OBC - 27%) and other reservations are as per rule of GOI.

6. छात्रवृत्तिः / छात्रवृत्ति / Scholarship

विद्यावारिधिपाठयक्रमे सम्बद्धविश्वविद्यालयानां नियमानुसारं अर्हतशोधार्थिभ्यः छात्रवृत्तिः अपि प्रदास्यते।

विद्यावारिधि पाठयक्रम
मेसम्बद्धविश्वविद्यालयां
के नियमानुसार अर्हत शोधर्थियों को छात्रवृत्ति भी दी जाती है।

Scholarship is also provided to eligible research candidates as per rules of the concerned Universities in Vidya Varidhi Course.

7. परीक्षाकेन्द्रस्थानानां /परीक्षा केन्द्र / Examination Centres (Application form S.No.1)

S.No.	Exam	Centre	Code No.	S.No.	Exam	Centre	Code No.
1.	शिमला	Shimla	75	12.	उदयपुर	Udaipur	86
2.	हमीरपुर	Hamirpur	76	13.	कोलकाता	Kolkata	87
3.	चण्डीगढ़	Chandigarh	77	14.	मुजफ्फरपुर	Muzaffarpur	88
4.	दिल्ली	Delhi	78	15.	मुम्बई	Mumbai	89
5.	लखनऊ	Lucknow	79	16.	भोपाल	Bhopal	90
6.	वाराणसी	Varanasi	80	17.	तिरुपति	Tirupati	91
7.	हरिद्वार	Haridwar	81	18.	अगरतला	Agartala	92
8.	बेंगलूरू	Bengaluru	82	19.	पुरी	Puri	93
9.	त्रिशूर	Thrissur	83	20.	कटक	Cuttack	94
10.	जयपुर	Jaipur	84	21.	भुवनेश्वर	Bhubaneshwar	95
11.	जोधपुर	Jodhpur	85				

8. आवेदनात् पूर्वं ध्यातव्यानि तथ्यानि /आवेदन पत्र भरने से पहले ध्यातव्य तथ्य / Notable Points Before Applying

i. केवलमर्हच्छात्रैः लिखितपरीक्षायां सम्मिलितैर्भाव्यम्। यदि कश्चिद् अर्हः नास्ति, परन्तु संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायां सम्मिलितः भवति, तर्हि परिणामार्थं स व्यक्तिगतरूपेण स्वयम् उत्तरदायी भविष्यति।

ii. प्रतिविद्यापीठं संस्थानस्य च विभिन्नपरिसरेषु निर्धारितर्स्ख्यानुसारमं वरीयतासूच्यां योग्यताक्रमानुसारम् एव प्रवेशः प्रदास्यते।

iii. प्रवेशार्हतानिरीक्षणम्, आरक्षणादीनां निश्चयश्च, एतत्सर्वं सम्बद्धविश्वविद्यालयस्य/परिसरस्य अधीनं वर्तते।

iv. प्रवेशविषये सम्बद्धविश्वविद्यालयस्य कुलपतेः निर्णय एव अन्तिमः।

v. वैधाानिकविषयेषु दिल्लीन्यायालयस्य एवं क्षेत्रधिकारः भविष्यति।

vi. उत्तरपुस्तिकायाः पुनः मूल्याङ्कनं नैव भविष्यति।

vii. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः प्रवेशसमये परीक्षाप्रकोष्ठे प्रवेशपत्रं विना प्रवेशः न प्रदास्यते।

viii. विद्यापीठे/ संस्थानपरिसरे विद्यावारिधिपाठ्यक्रमे पेञ्जीकरणसमयेऽपि संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः प्रवेशपत्रं समर्पणीयम्।

i. केवल अर्ह छात्र लिखित परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि कोई छात्र निर्धारित योग्यता के अभाव में भी संयुक्त विद्यावारिधिप्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो जाता है तो वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से इसके परिणाम के लिए उत्तरदायी होगा।

ii. विद्यावारिधि का पाठ्यक्रम यू. जी. सी. द्वारा मान्यता प्राप्त है। प्रत्येक विद्यापीठ तथा संस्थान के विभिन्न परिसरों में निर्धारित संख्या तथा प्रत्येक विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में वरीयता क्रम से ही प्रवेश दिया जायेगा।

iii. प्रवेशार्हता की जांच, आरक्षणादि का निश्चय आदि निर्णय सम्बद्ध विश्वविद्यालय के अधीन हैं।

iv. प्रवेश के विषय में सम्बद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति का निर्णय ही अन्तिम होगा।

v. वैधाानिकविषयों में दिल्ली न्यायालय का ही क्षेत्रधिकार होगा।

vi. उत्तरपुस्तिका का पुनः मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

vii. संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा में प्रवेश के समय प्रवेशपत्र के बिना परीक्षा हाल में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

viii. विद्यापीठ / संस्थान परिसर में भी विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में पञ्जीकरण के समय संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा का प्रवेश पत्र देना आवश्यक है।

i. Eligible candidates only can appear in the written test. If the candidate lacking the prescribed qualification appears for CVVET then he/she will be responsible for the consequences.
ii. Vidya Varidhi course is recognised by UGC. The admission will be strictly on the basis of number of seats and rank in the merit list allotted to each Vidyapeeth/ Sansthan Campus.
iii. Scrutiny of eligibility for admission, verification of reservations etc. are under the control of the concerned University/ Campus.
iv. The decision of the V.C. of the concerned university will be final regarding admission.
v. All judicial matters will be settled under DELHI JURISDICTION only.
vi. No re-evaluation of the answer copy is permissible.
vii. The entry in the examination hall will not be allowed without admit card at the time of CVVET.
viii. The CVVET admit card has to be submitted at the time of registration in Vidya Varidhi Course.

9. विशेषटिप्पणी /विशेष टिप्पणी / Special Note

i. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायां प्रवेशार्थिनः परीक्षासमये बॉलपैन (Ballpen) नील/कृष्णवर्णीयां लेखनीं स्वयम् आनयेयुः।

ii. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाम् अवैधसाधनानि अवलम्बयन्, उत्तराणि लेखितुम् अन्यतः साहाय्यं प्राप्नुवन् अनुशासनहीनतां वा प्रदर्शयन् परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्षेण सद्यः परीक्षायाः बहिष्करिष्यते यथाविधि दण्डः वा प्रदास्यते।

iii. छायाचित्रेण सह वैषम्ये सति, परीक्षातः / प्रवेशात् निलम्बनम्/विधिवत् दण्डनं वा करिष्यते। तदर्थम् आवेदकः स्वयम् उत्तरदायी भविष्यति।

iv. परीक्षाभवने कैलक्यूलेटर, मोबाइलफोन, पेजर इत्यादिकं सर्वथा वर्जितम्।

i. संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थी अपने प्रयोग के लिए नीला/ काला बालपैन (Ballpen) स्वयं लाएं।

ii. संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा में अवैध साधन प्रयोग करने वाले अथवा किसी से सहायता लेने या देने वाले या अनुशासन भंग करने वाले परीक्षार्थी को केन्द्राध्यक्ष परीक्षा से निष्कासित कर देंगे, कानूनन दण्ड भी दिया जा सकता है।

iii. यदि किसी के छायाचित्र में विषमता पायी जाती है या सन्देह होता है तो ऐसी स्थिति में परीक्षा/प्रवेश से निलम्बन/कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए छात्र स्वयं उत्तरदायी होगा।

iv. परीक्षा भवन में कैलक्यूलेटर, मोबाइलफोन, पेजर इत्यादि सर्वथा वर्जित है।

i. The candidate appearing in the CVVET should bring his/her own blue/black ball pen for the test.

ii. Candidates using unfair means, getting external help or helping others or indulging in indiscipline in the CVVET can be disqualified from examination by Centre Suprintendent. Legal action can also be initiated.

iii. In case of mismatch of photo or doubt etc. suspension from exam/cancellation of admission or any other legal action can be taken. The applicant will be responsible for this.

iv. Calculator, Mobile Phone, Pager etc. are prohibited in the examination hall.

10(अ) संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः स्वरूपञ्च

शोधकार्येच्छुकाः अपेक्ष्यन्ते यत् ते

i. स्वस्नातकोत्तरकक्षायां पठितविषयस्य सम्यक् ज्ञातारः स्युः।

ii. ग्रन्थसम्पादनं हस्तलेखविज्ञानशोधप्रविधिं च परिचयात्मकरूपेण जानीयुः।

iii. प्राचीनभारतीयेतिहासं, संस्कृत, संस्कृतसाहित्यम् एवं भाषाविकासस्य विभिन्नसोपानानि अपि सामन्यरूपेण जानीयुः।

iv. समसामयिकविश्वस्य वर्तमानभारतस्य संवैधानिकस्वरूपस्य सामान्यज्ञानमपि वाञ्छितम् वर्तते।

10(ब) प्रश्नपत्रप्रारूपम्

अस्यां प्रवेशपरीक्षायां द्वे प्रश्नपत्रे भविष्यतः। प्रतिप्रश्नपत्रे शतम् अङ्काः, समयावधिश्च साधैकहोरामात्रं भविष्यति।

प्रश्नपत्रप्रारूपम् अधः प्रदीयते-

*** प्रथमं प्रश्नपत्रप्रारूपम् (समयः 2.30 तः - 4.00 पर्यन्तम्) पूर्णांक : 100**

अस्मिन् पत्रे चत्वारः खण्डाः भविष्यति।

	खण्ड : क पूर्णांक : 30	**अंका**
1.	सामान्यज्ञानम्(भारतम्,भारतीयसमाजः,संस्कृतिश्च)	6
2.	संस्कृतभाषायाः क्रमिकविकासः(विभिन्नशास्त्रेषु कालेषु च)	6
3.	विविधः धर्माः दर्शनानि च (भारते प्रचलितानि/उद्भूतानि च)	6
4.	सर्वशास्त्राणां मूलाधारपरिचयः (मूलसिद्धान्तमात्रस्य ज्ञानम्)	6
5.	पाण्डुलिपिज्ञानम्/शोधप्रविधेः सामान्यः परिचयः (सन्दर्भः,पादटिप्पणी,ग्रन्थसूचीनिर्माणम् परिशिष्टानि, लिप्यन्तरणज्ञानम्)	6
	खण्ड : ख पूर्णांक : 20	
	निम्नलिखित शास्त्राणां ज्ञानम्	
1.	वेदः	4
2.	छन्दः	4
3.	ज्योतिषम्	4
4.	पुराणेतिहासः	4
5.	अलंकारशास्त्रम्	4
	खण्ड : ग पूर्णांक : 25	
	संस्कृतस्य प्रायोगिकव्याकरणस्य सामान्यज्ञानम् (सन्धिः,समासः,कारकम्,वाच्यपरिवर्तनम् सुबन्तानि,तिङन्तानि, कृदन्तानि,तद्धितान्तानि पदानि)	25
	खण्ड : घ पूर्णांक : 25	
	संस्कृतसाहित्यस्य सामान्यपरिचयः	25

शिक्षाशास्त्रम्

शिक्षाशास्त्रस्य प्रथमप्रश्नपत्रे अपि 100 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः भविष्यन्ति येषु **'क' खण्डे** 30 तथा च **'ख' खण्डे** 20 प्रश्नाः भविष्यन्ति। द्वयोः खण्डयोः प्रदत प्रति क्षेत्रात्_ 10 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः भविष्यन्ति। **खण्ड 'ग'** व **खण्ड 'घ'** उक्ततालिकानुसारेण भविष्यन्ति।

खण्ड 'क' 1. शिक्षादर्शनम् 2. शिक्षा मनोविज्ञानम् 3. भारतीय शिक्षायाः इतिहासः समस्या च
खण्ड 'ख' 1. संस्कृत शिक्षणम् 2. शास्त्रशिक्षणम-दर्शनव्याकरणसाहित्यं च।

संगणकविज्ञानम् (राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति एव)

संगणक विज्ञानस्य प्रथम प्रश्नपत्रे 100 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः निम्नलिखितक्षेत्रात् भविष्यन्ति ।

Computer Organisation, Operating Systems, Data Structures, Database Management System, Software Engineering, Computer Networking, Artificial Intelligence, Programming Languages.

*** द्वितीयं प्रश्नपत्रम्** **(समयः 3.40 तः - 5.40 पर्यन्तम्)** **पूर्णाङ्काः 100**

i. अस्मिन् प्रश्नपत्रे स्नातकोत्तरे पाठ्यक्रमे अधीतस्य शास्त्रस्य सम्यकज्ञानम् अपेक्षितम्।
ii. अन्तः शास्त्रीयविषयतालिकानुसारणम् आवेदकः स्वयं स्वेच्छानुसारम् एकस्य विषयवर्गस्य चयनं कृत्वा उत्तरं लेखितुं शक्नोति।
iii. अनेकविषयवर्गेभ्यः विषयचयनं च स्वीकार्यं भविष्यति।

अन्तः शास्त्रीयविषयवर्गेषु विषयसूची

वेदान्तः/द्वैताद्वैतम्/विशिष्टाद्वैतम् सांख्ययोगम्, न्यायः, वैशेषिकम्, पुराणेतिहासः, मीमांसा, आगमः, बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, सर्वदर्शनम्, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), तन्त्रयोगः रामानन्दवेदान्तः, विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, द्वैताद्वैतम्,।

सांख्ययोगम् वेदान्तः, न्यायवैशेषिकम्, पुराणेतिहासः, बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, आगमः, आयुर्वेदः, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), तन्त्रयोगः, द्वैताद्वैतम्।

न्याय-वैशेषिकम् वेदान्तः, सांख्ययोगः, बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), दर्शनशास्त्रे तन्त्रयोगः, सर्वदर्शनम्, द्वैताद्वैतम्।

पुराणेतिहासः वेदान्तः, सांख्ययोगम्, वेदः, ज्योतिषम्, धर्मशास्त्रम्, आगमः, तन्त्रयोगः, सर्वदर्शनम्, साहित्यम्, संस्कृतम् (साहित्यवर्गः)।

व्याकरणम् वेदः, साहित्यम्, सांख्ययोगः, पुराणेतिहासः, भाषाविज्ञानम् , संस्कृतम् (व्याकरणवर्गः), तुलनात्मकभाषाविज्ञानम्।

ज्योतिषम् वेदांगानि, सिद्धान्तज्योतिषम्, फलितज्योतिषम्, वास्तुशास्त्रम्, पुराणेतिहासः, धर्मशास्त्रम्, कृषिविज्ञानम्, पर्यावरणविज्ञानम्, खगोलशास्त्रम्, कर्मकाण्डः, पौरोहित्यम्, धर्मागमः, सर्वदर्शनम्।

वास्तुशास्त्रम्	वेदांगानि, सिद्धान्तज्योतिषम्, फलितज्योतिषम्, पुराणेतिहासः, धर्मशास्त्रम्, कृषिविज्ञानम्, मौसमविज्ञानम्, खगोलशास्त्रम्, कर्मकाण्डम्, पौरोहित्यम्, धर्मागमः, सर्वदर्शनम्।
धर्मशास्त्रम्	मीमांसा, वेदः, ज्योतिषम्, कर्मकाण्डम्, पौरोहित्यम्, पुराणेतिहासः, संस्कृतिः, तुलनात्मक-विधिशास्त्रम्, भारतीयविधिशास्त्रम्, आधुनिकभारतीयविधिशास्त्रम्, धर्मागमः।
मीमांसा	धर्मशास्त्रम्, वेदः, वेदान्तः, आगमः, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), दर्शनम्, तन्त्रयोगः, सांख्ययोगः, धर्मागमः, सर्वदर्शनम्।
बौद्धदर्शनम्	पालिः, प्राकृतम्, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च, जैनदर्शनम्, शैवदर्शनम्, सांख्ययोगः, योगागमः, तन्त्रयोगः, जैनतन्त्रम्, बौद्धतन्त्रम्, सर्वदर्शनम्।
जैनदर्शनम्	प्राकृतम्, पालिः, संस्कृतम्, बौद्धदर्शनम्, सांख्ययोगम्, स्थापत्यकलाविज्ञानम्, भारतीयप्राचीनेतिहासः संस्कृतिश्च, जैनतन्त्रम्, बौद्धतन्त्रम्, सर्वदर्शनम्।
सर्वदर्शनम्	वेदान्तः / द्वैताद्वैतम्, संस्कृतम्(दर्शनवर्गः)/पाश्चत्यदर्शनम्।
साहित्यम्	व्याकरणम्, पुराणेतिहासः, तन्त्रगमः, संस्कृतिः, दर्शनम्, पालिः, प्राकृतम्।
वेदः/कर्मकाण्डः	व्याकरणम्, वेदान्तः, आगमः, तन्त्रगमः, योगतन्त्रम्, धर्मशास्त्रम्, मीमांसा, पौरोहित्यम्, पुराणेतिहासः, सांख्ययोगम्, प्राचीनभारतीयेतिहासः, संस्कृतिश्च, अभिलेखशास्त्रम्, आयुर्वेदः, ज्योतिषम्, सर्वदर्शनम्।।
आगमः	शैवागमः, वैष्णवगमः, शाक्तागमः।
शाब्दबोधाः	न्यायः, मीमांसा, व्याकरणम्।
प्राकृतभाषा	संस्कृतरूपकवाङ्मयं,जैनदर्शनम्,बौद्धदर्शनम्,भाषाशास्त्रम्, प्राचीनभारतीय इतिहासः संस्कृति, वेदः,वेदान्तः, अभिलेखशास्त्रम्, आयुर्वेदः, ज्योतिषम्, मन्त्रशास्त्रम् वास्तुशास्त्रम्।
शिक्षाशास्त्रम्	शिक्षा दर्शनम्, शिक्षा मनोविज्ञानम्, शैक्षिक शोधः, शैक्षिक-तकनीकी, अधयापक-शिक्षा।
संगणक विज्ञानम्	Computer Organisation, Operating Systems, Data Structures, Database Management System, Software Engineering, Computer Networking, Artificial Intelligence, Programming Languages.

10(अ) संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं स्वरूप

इस प्रवेश परीक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें -

i. अपने स्नातकोत्तर कक्षा में पठित विषय का सम्यक् ज्ञान हो।

ii. ग्रन्थ-सम्पादन, हस्तलेख-विज्ञान एवं शोध प्रविधि का परिचयात्मक ज्ञान हो।

iii. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, संस्कृत साहित्य एवं भाषा विकास के विभिन्न चरणों का सामान्य ज्ञान होना चाहिए।

iv. समसामयिक विश्व एवं वर्तमान भारत के संवैधानिक स्वरूप का सामान्य ज्ञान वांछनीय है।

10 (ब) प्रश्न पत्र प्रारूप

इस प्रवेश परीक्षा में 100-100 अंकों के दो प्रश्नपत्र डेढ़-डेढ़ घण्टे की अवधि के होंगे।

*** प्रथम प्रश्नपत्र (समयः 2.30 अपराह्न - 4.00 सांय) पूर्णाङ्काः-100**

इसमें निम्नलिखित विषयों पर आधारित 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।

खण्ड 'क' पूर्णाङ्क 30	
1. सामान्य ज्ञान (भारत, भारतीय समाज एवं संस्कृति)	6
2. संस्कृत भाषा का क्रमिक विकास (भिन्न-भिन्न शास्त्रों एवं कालों में)	6
3. विविध धर्म एवं दर्शन (भारत में प्रचलित/उद्भूत)	6
4. सर्वशास्त्रों के मूलाधार (मूलसिद्धान्तमात्र का ज्ञान)	6
5. पाण्डुलिपि विज्ञान/शोध प्रविधि का सामान्य परिचय (सन्दर्भ, पादटिप्पणी, ग्रन्थसूची का निर्माण, परिशिष्ट, लिप्यन्तरण का ज्ञान)	6
खण्ड 'ख' पूर्णाङ्क 20	
निम्नलिखित शास्त्रों का ज्ञान -	
1. वेद	4
2. छन्द	4
3. ज्योतिष	4
4. पुराणेतिहास	4
5. अलंकारशास्त्र	4
खण्ड 'ग' पूर्णाङ्क 25	
संस्कृत के प्रायोगिक व्याकरण का सामान्य ज्ञान (सन्धि, समास, कारक, वाच्य, सुबन्त, तिङन्त, कृदन्त, तद्धित आदि)	25
खण्ड 'घ' पूर्णांक 25	
संस्कृतसाहित्य का सामान्य परिचय	25

शिक्षाशास्त्र

शिक्षाशास्त्र के प्रथम प्रश्न पत्र में भी 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे जिसमें **खण्ड 'क'** से 30 तथा **खण्ड 'ख'** से 20 प्रश्न होंगे। दोनों खण्डों में दिये गये प्रत्येक क्षेत्र से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। **खण्ड 'ग'** व **खण्ड 'घ'** उपरोक्त तालिका अनुसार होगे।

खण्ड 'क' 1. शिक्षा दर्शन 2. शिक्षा मनोविज्ञान 3. भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्याएं
खण्ड 'ख' 1. संस्कृत शिक्षण 2. शास्त्रशिक्षण-दर्शन, व्याकरण एवं साहित्य।

संगणक विज्ञान (केवल राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति)

संगणक विज्ञान के प्रथम प्रश्न पत्र में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न निम्नलिखित क्षेत्रों से होंगे।

Computer Organisation, Operating Systems, Data Structures, Database Management System, Software Engineering, Computer Networking, Artificial Intelligence, Programming Languages.

*** द्वितीय प्रश्नपत्र** **समय : 4.10-5.40 सांय** **पूर्णांक-100**

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अधीत शास्त्र का सम्यक् ज्ञान अपेक्षित है। अन्तः शास्त्रीयविषयतालिका के अनुसार छात्र 'स्वरुचि का एक विषय वर्ग' चुनकर उत्तर दे सकता है। कई विषय-वर्गों से उत्तर दिया जाना स्वीकार्य नहीं होगा। विषय वर्ग की तालिका निम्नवत् है।

अन्तः शास्त्रीय विषयवर्ग सूची

वेदान्त/द्वैताद्वैत/विशिष्टाद्वैत	सांख्ययोग, न्याय, वैशेषिक, पुराणेतिहास, मीमांसा, आगम, बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, तन्त्र-योग रामानन्दवेदान्त, विशिष्टाद्वैतवेदान्त, द्वैताद्वैत।
सांख्ययोग	वेदान्त, न्यायवैशेषिक, पुराणेतिहास, बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, आगम, आयुर्वेद, संस्कृत (दर्शन वर्ग), तन्त्र-योग, द्वैताद्वैत।
न्याय-वैशेषिक	वेदान्त, सांख्ययोग, बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, संस्कृत (दर्शन वर्ग), दर्शन शास्त्र, तन्त्रयोग, सर्वदर्शन, द्वैताद्वैत।
पुराणेतिहास	वेदान्त, सांख्य योग, वेद, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, आगम, तन्त्रयोग, सर्वदर्शन, साहित्य, संस्कृत (साहित्य)।
व्याकरण	वेद, साहित्य, सांख्ययोग, पुराणेतिहास, भाषाविज्ञान, संस्कृत (व्याकरणवर्ग), तुलनात्मक-भाषा-विज्ञान।
ज्योतिष	वेदांग, सिद्धान्त-ज्योतिष, फलित-ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र, कृषि-विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, खगोलशास्त्र, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, धर्मागम, सर्वदर्शन।
वास्तु शास्त्र	वेदांग, सिद्धान्त-ज्योतिष, फलित-ज्योतिष, पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र, कृषि-विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, खगोल शास्त्र, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, धर्मागम, सर्वदर्शन।
धर्म शास्त्र	मीमांसा, वेद, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, पुराणेतिहास, संस्कृति, तुलनात्मक विधिशास्त्र, भारतीय-विधिशास्त्र, आधुनिक-भारतीय-कानून।
मीमांसा	धर्मशास्त्र, वेद, वेदान्त, आगम, संस्कृत (दर्शन वर्ग), दर्शन, तन्त्रयोग, सांख्ययोग, धर्मागम, सर्वदर्शन।
बौद्ध दर्शन	पालि, प्राकृत, संस्कृत (दर्शन वर्ग), प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, जैन दर्शन, शैव दर्शन, सांख्ययोग, योगागम, तन्त्रयोग, जैनतन्त्र, बौद्धतन्त्र, सर्वदर्शन।

जैन दर्शन	प्राकृत, पालि, संस्कृत, बौद्धदर्शन, सांख्य-योग, स्थापत्य कलाविज्ञान, भारतीय प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति, जैनतन्त्र, बौद्धतन्त्र, सर्वदर्शन।
सर्वदर्शन-	वेदान्त, द्वैताद्वैत, पाश्चत्य दर्शन एवं अन्य दर्शन।
साहित्य	व्याकरण, पुराणेतिहास, तन्त्रगम, संस्कृति, दर्शन, पालि, प्राकृत, संस्कृत।
वेद/कर्मकाण्ड	व्याकरण, वेदान्त, आगम, तन्त्रगम, योगतन्त्र, धर्मशास्त्र, मीमांसा, पौरोहित्य, पुराणेतिहास, सांख्ययोग, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, पुरातत्त्व, अभिलेख शास्त्र आयुर्वेद, ज्योतिष, सर्वदर्शन ।
आगम	शैवागम, वैष्णवगम, शाक्तगम।
शाब्दबोध	न्याय, मीमांसा, व्याकरण।
प्राकृतभाषा	संस्कृतरूपकवाङ्मय,जैनदर्शन, दर्शन,भाषाशास्त्र,प्राचीनभारतीय इतिहास संस्कृति, वेद,वेदान्त, अभिलेखशास्त्र, आयुर्वेद, ज्योतिष, मन्त्रशास्त्र एवं वास्तुशास्त्र
शिक्षा शास्त्र	शिक्षादर्शन, शिक्षा मनोविज्ञान, शैक्षिक शोध, शैक्षिक तकनीकी एवं अध्यापक शिक्षा।
संगणकविज्ञान	Computer Organisation, Operating Systems, Data Structures, Database Management System, Software Engineering, Computer Networking, Artificial Intelligence, Programming Languages.

10 (a) SYLLABUS AND FORMAT OF CVVET QUESTION PAPER

The candidates, appearing for this test are expected to-

i. have sufficient knowledge in the subject offered at Acharya/M.A. level;

ii. have introductory knowledge of research methodology/ editing a book or adept in the science of manuscripts.

iii. have sufficient general knowledge about Indian History and its culture, Sanskrit literature and the various stages of the development of language;

iv have sufficient general knowledge of the contemporary world and the constitutional structure of modern India;

10(b) QUESTION PAPER FORMAT

For this entrance test, there will be two papers of one and a half hours each with maximum marks of 100 per paper.

***QUESTION PAPER I Time: 02.30 to 4.00 P.M. M.M. 100**

There will be 100 objective type questions on the following topics-

	Section A Marks 30	
1.	General knowledge (India and Indian Society and culture)	6
2.	Gradual development of Sanskrit language in various periods and sciences.	6
3.	Various religions and philosophies (prevalent in India/originated in India)	6
4.	Fundamentals of all the disciplines (shastras). (basic principles only)	6
5.	Manuscript Science/gereral introductory knowledge about research-methodology. (references, footnotes, preparation of index of referred works, annexures, knowledge of other scripts etc.)	6
	Section B Marks 20	
	निम्नलिखितशास्त्रणां ज्ञानम्	
1.	Veda	4
2.	Chhand	4
3.	Jyotish	4
4.	Puranetihasa	4
5.	Alankar	4
	Section C Marks 25	
	Gereral Knowledge of Sanskrit Grammar (Sandhi, compounds, case-endings voices, subanta, Tignanta, kridanta, Taddhita etc.)	25
	Section D Marks 25	
	General knowldge of Sanskrit Literature	25

EDUCATION

The first paper of Education will also consists of 100 Objective Type Questions out of which **Section A** will have 30 and **Section B** will have 20 questions. Each given area in both the two sections contains 10 objective type questions. **Section C** and **D** will be according to the above table.

Section A 1. Educational Philosophy 2. Educational Psychology
3. History and Problems of Indian Education

Section B 1. Teaching of Sanskrit 2. Teaching of Shastra - Darshan, Vyakaran and Sahitya.

COMPUTER SCIENCE (Only at Rastriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati)

The first paper of Computer will consist 100 objective type questions from the following area.

Computer Organisation, Operating Systems, Data Structures, Database Management System, Software Engineering, Computer Networks, Artificial Intelligence, Programming Languages.

***QUESTION PAPER II Time: 04.10 P.M. to 05.40 P.M. M.M. 100**

In this paper the candidates' knowledge in the subject studied at Acharya/ M.A. level will be tested. The candidate can select any of the following inter-related subjects as per his choice. No Candidate shall be permitted to answer from a number of subject-groupings.

LIST OF INTERDISCIPLINARY SUBJECTS

VEDANTA/ DWAITADWAIT/ VISHISHTADVAIT	Samkhyayoga, Nyaya, Vaisheshik, Puranetihasa, Mimansa, Agama, Buddhist Philosophy, Jain Philosophy, Sarva-Darshan, Sanskrit (philosophy), Tantra-yoga, Ramanand Vedanta, Vishishtadvait Vedenta/ Dwaitadwait/Vedanta.
SANKHYAYOGA	Vedanta, Nyaya-Vaisheshikam, Puranetihasa, Buddhist Philosophy, Jain Philosophy, Agama, Ayurveda, Sanskrit (Philosophy) Tantra-yoga/Dwaitadwait/Vedanta.
NYAYA-VAISHESHIK	Vedanta, Samkhya-Yoga, Buddhist Philosophy, Jain Philosophy, Sanskrit (Philosophy), M.A. in Philosophy; Tantra-Yoga, Sarva-Darshan.
PURANETIHASA	Vedanta, Samkhya-Yoga, Veda, Jyotish, Dharma Shastra, Agama, Tantra Yoga, Sarva-Darshan, Sahitya, Sanskrit (Sahitya).
VYAKARAN	Veda, Literature, Samkhya-Yoga, Puranetihasa, Philosophy, Sanskrit (Grammar Group), Comparative Philosophy.
JYOTISHA	Vedanga, Siddhanta Jyotish, Phalit-Jyotish, Vastu Shastra, Puranetihasa, Dharma shastra, Agriculture Science, Paryavaran Vigyan, Astronomy, Karma-Kanda, Paurohitya, Dharmagama, Sarva-darshan.
VASTU SHASTRA	Vedanga, Siddhanta Jyotish, Phalit-Jyotish, Puranetihasa, Dharma shastra, Agriculture Science, Paryavaran Vigyan, Astronomy, Karma-Kanda, Paurohitya, Dharmagama, Sarva-darshan.
DHARMA-SHASTRA	Mimansa, Veda, Jyotish, Karma-Kanda, Paurohitya, Puranetihasa, Culture, Comparative law, Indian law, Modern Indian law, Dharmagama.
MIMANSA	Dharmashastra, Veda, Vedanta, Agam, Sanskrit (Philosophy section) MA (Philosophy) Tantra-Yoga. Samkhya-Yoga, Dharmagama, Sarvadarshana.
BUDDHIST PHILOSOPHY	Pali, Prakrit, Sanskrit (Philosophy Group), Ancient Indian History and Culture.

JAINISM	Prakrit, Pali, Sanskrit, Buddhism, Samkhya-yoga, Art and Architecture, Ancient Indian History and Culture Jaintantra, Bauddha-Tantra, Sarva-Darshan.
SARV DARSHAN	Vedanta, Dwaitadwait, Sanskrit (Philosophy Group), Western Philosophy.
LITERATURE	Vyakaran, Puranetihasa, Tantra-Agama, Culture, Philosophy, Pali, Prakrit-with Sanskrit.
VEDA/KARMKANDA	Vyakarana, Vedanta, Agama, Tantragama, Yoga-Tantra, Dharmashastra, Mimansa, Paurohitya, Puranetihasa, Sankhya-Yoga, Ancient Indian History and Culture, Archeology, Epigraphy, Ayurveda, Jyotish, Sarvadarshana.
AGAM	Shavagam, Vaivam, Shaktangam.
SHABADH BODH	Nayay, Mimansa, Vyakaran.
PRAKIT LANGUAGE	Sanskrit Rupakvangmay, Jaindarshan, Bauddha-Darshan, Bhasha-Shastra, Ancient Indian History and Culture, Veda, Vedanta, Epigraphy, Ayurveda, Jyotish,Mantra Shastra, Vastu Shastra.
EDUCATION	Educational Philosophy, Educational Pychology, Eucational Research, Educational Technology and Teacher Education.
COMPUTER SCIENCE	Computer Organisation, Operating Systems, Data Structures, Database Management System, Software Engineering, Computer Networks, Artificial Intelligence, Programming Languages.

11. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाम् उत्तीर्णतायै अपेक्षिताङ्कःप्रतिशतम् / संयुक्तविद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्णता के लिए अपेक्षित अङ्क / Minimum Percentange of Marks Required for Passing CVVET

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाया: प्रथमे खण्डे प्राप्तपञ्चाशत्प्रतिशताङ्कानामेव द्वितीयखण्डस्य मूल्याङ्कनं भविष्यति। द्वितीये खण्डे अपि पृथक् पृथक् न्यूनतमा पञ्चाशत्प्रतिशतम् (50:)अङ्कप्राप्ति: अपेक्षिता। तत्पश्चात् वरीयताक्रमेण चयनं भविष्यति।

संयुक्त वि. वा. प्र. परीक्षा के प्रथम खण्ड में न्यूनतम 50: (पचास प्रतिशत) अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों का ही द्वितीय खण्ड का उत्तर पत्र जांचा जाएगा। द्वितीय खण्ड में भी न्यूनतम 50% अङ्कप्राप्ति अपेक्षित है। उसके बाद वरीयता क्रम से चयन होगा।

Those applicants obtaining at least 50% marks in the first part of CVVET only their second part of question paper will be evaluated. Minimum 50% marks are required in the second part also. Thereafter the selection will be made as per the merit list.

12 उदाहरणार्थं प्रश्नपत्रम्

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्,

बी-4 कुतुब सांस्थानिकक्षेत्रम्
मानितविश्वविद्यालयः
नवदेहली 110016

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा 2016

प्रथमं प्रश्नपत्रम्

समयः होरात्रयम् **पूर्णांकाः100**

1. **परीक्षार्थिनाम** _____

2. **अनुक्रमसंख्या (यथा प्रवेशपत्रे टङ्कितम्) अङ्केषु** _____

   अक्षरेषु अनुक्रमसंख्या _____

3. **परीक्षा-केन्द्रनाम** _____

सूचना

अस्यां परीक्षायां प्रश्नपत्रद्वयं भवति। उभयोः प्रश्नपत्रयोः समाधानार्थं 'घण्टात्रयं' वर्तते। परीक्षा 2.00 वादनतः प्रारभते।

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं प्रश्ने प्रदत्तेषु विकल्पेषु योग्यतमस्य विकल्पस्य कृते उत्तरपत्रे निश्चितवृत्तं कृष्णीकर्तव्यम्। यदि एकाधिकेषु विकल्पेषु चिह्नाङ्कनं कश्चित् परीक्षार्थी करोति तर्हि उत्तरं निरस्तं भवति। तस्मात् सावधानेन पठित्वा उत्तरविकल्पेषु साधूत्तरविनिश्चयपूर्वकम् एव चिह्नाङ्कनं कर्तव्यम्।

प्राक्-शोध-परीक्षा
प्रश्नपत्रप्रारूपम्
प्रथमं प्रश्नपत्रम्
"क" खण्डः

SPECIMEN

समयः 2.30 - 3.30 सम्पूर्णाङ्काः 100

(1) पारस्करगृह्यसूत्रस्य भाषा अस्ति

(क) बौद्धानां (ख) जैनानाम् उत्तराणि

(ग) लोकस्य (घ) वेदस्य

(2) सूर्यसिद्धान्तः कस्य ग्रन्थः

(क) ऋग्वेदस्य (ख) आयुर्वेदस्य

(ग) ज्योतिर्विज्ञानस्य (घ) गणितस्य

(3) वराहमिहिर: कस्य शास्त्रस्य प्रणेता

(क) श्येनशास्त्रस्य (ख) अश्वशास्त्रस्य

(ग) विमानशास्त्रस्य (घ) ज्योतिश्शास्त्रस्य

(4) प्राय: पुराणानां सङ्कलनं अभूत्

(क) चालुक्यवंशकाले (ख) बुद्धत: प्राक्

(ग) गुप्तवंशस्य काले (घ) मुगलकाले

(5) क: काल: भारतस्य स्वर्णिम: युग इत्युच्यते ?

(क) वैदिक: (ख) बौद्ध:

(ग) गौप्त: (घ) मौर्य:

(6) क्षणिकवाद: कस्मिन् दर्शनशास्त्रे निरूपित:

(क) चार्वाग्दर्शने (ख) बौद्धदर्शने

(ग) मीमांसादर्शने (घ) वैशेषिकदर्शने

(7) अष्टमूर्ति: कस्मिन् धर्मे प्रसिद्धा ?

(क) जैनधर्मे (ख) बौद्धधर्मे

(ग) शैवधर्मे (घ) वैशेषिकदर्शने

(8) जातौ शक्ति: इति कस्य शास्त्रस्य मुख्य: सिद्धान्त: ?

(क) व्याकरणशास्त्रस्य (ख) प्रत्यभिज्ञाशास्त्रस्य

(ग) मीमांसाशास्त्रस्य (घ) न्यायशास्त्रस्य

(9) न्यू कैटलागस् कैटलागोरम् कस्य ज्ञानस्य भाग: ?

(क) पुस्तकालयविज्ञानस्य (ख) राजनीतिविज्ञानस्य

(ग) सम्पादनविज्ञानस्य (घ) पाण्डुलिपिविज्ञानस्य

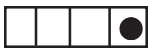

(10) परिशिष्टं कुत्र स्थापनीयम्

(क) पादटिप्पण्याम् (ख) मध्ये

(ग) मुख्यग्रन्थस्यान्ते (घ) पुस्तकग्रन्थसूच्याम्

(11) 'ऋषि' वर्ण: रोमनलिप्यां कथं लिखेत् ?

(क) Risi (ख) Rishi

(ग) ÿ–i (घ) Ru–i

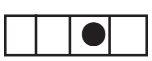

SPECIMEN

कुल 100 प्रश्ना:

प्रश्नपत्रप्रारूपम्

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्,

बी-4 कुतुब सांस्थानिकक्षेत्रम्
मानितविश्वविद्यालयः
नवदेहली 110016

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा 2016

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्

समयः सार्धहोरापर्यन्तम् **पूर्णाङ्काः100**

1. **परीक्षार्थिनाम** _____
2. **अनुक्रमसंख्या (यथा प्रवेशपत्रे टङ्किता) अङ्केषु** _____
   अक्षरेषु अनुक्रमसंख्या _____
3. **परीक्षाकेन्द्रनाम** _____

सूचना

1. प्रतिविषयं शीर्षकद्वयमादाय अनिवार्यनिबन्धौ लेख्यौ। अन्यत् निबन्धद्वयं त्रिषु त्रिषयेषु चयनं कृत्वा लेखनीयम्। आहत्य चत्वारः निबन्धाः लेखनीयाः।
2. निबन्धः संस्कृतभाषया शास्त्रीयपद्धत्या च प्रस्तोतव्या।
3. एकैकस्मिन् निबन्धे पदानां संख्या (300) शतत्रयात् न्यूना न भवेत्।
4. अनिवार्यनिबन्धद्वयकृते पञ्चाशत् अङ्काः निर्धरिताः। पञ्चाशत् अङ्काः चयनित विषयद्वयम् अधिकृत्य निर्धारिताः तत्र भाषाकृते पञ्चदश, तथ्यकृते पञ्चदश शास्त्रीयपद्धति-कृते दश, ऋणसन्दर्भसङ्केतसहितानाम् उद्धरणानां कृते दश अङ्काः निर्धारिताः।
5. उदाहरणार्थं केचन विषयाः दीयन्ते

1. **नव्यव्याकरणम्-विषयाः**
   - स्फोटः
   - धात्वर्थः
   - समासशक्तिः
   - अन्योऽन्याश्रयदोषोद्भावनम्-परिहारश्च
2. **प्राचीनव्याकरणम्-विषयाः**
   - शब्दानां ज्ञाने धर्मः आहोस्वित् प्रयोगे
   - व्याकरणाध्ययनस्य गौणप्रयोजनानि

SPECIMEN

अकारस्य विवृतोपदेशत्वम्

महाभाष्यदिशा स्वं रूपं शब्दस्याशब्दसंज्ञेति सूत्रविचार:

3. **साहित्यम्-विषया:**

काव्यस्यात्मा ध्वनि:

उपमालङ्कारविमर्श:

रसनिष्पत्तिप्रकार:

अलङ्कारा: कटककुण्डलादिवत्

4. **सिद्धान्तज्यौतिषम्-विषया:**

कालगणनापद्धति:

शृङ्गोन्नति:

वेदाङ्गज्यौतिषम्

अहर्गणसाधनम् इत्यादय: प्रतिविषयम् प्रश्ना:

SPECIMEN

13 आवेदनप्रपत्रविषयकाणि आवश्यकतथ्यानि / आवेदनपत्रविषयक ध्यातव्य तथ्य/ Points to be noted for filling the Application form

i. अस्यां पुस्तिकायां त्रीणि आवेदनपत्राणि संलग्नानि सन्ति- **अ, ब, स** इति।

ii. • **आवेदनपत्रं 'अ'** संयोजक: सं.वि.वा.प्र.प., श्री लालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठे निर्धारिततिथिपर्यन्तं प्रेषणीयम्।

• **आवेदनपत्रं 'ब'** परीक्षकेन्द्रस्य केन्द्राध्यक्षाय अस्ति, यत संयोजक: सं.वि.वा.प्र.प. श्री लालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठं प्रति प्रेषणीयमस्ति।

• **आवेदनपत्रं 'स'** (प्रवेशपत्रम्) छात्रभ्योस्ति यत प्रवेशपरीक्षाकाले प्रस्तोतव्यमस्ति ।

iii. पुस्तिका/ आवेदनपत्रक्रमाङ्क: एव भवत:/ भवत्या: अनुक्रमाङ्क: भविष्यति।

iv. यदि न्यूनतमा: पञ्चदश अभ्यर्थिन: भविष्यन्ति तदैव प्रार्थित: परीक्षाकेन्द्र: मान्य: भविष्यति अन्यथा संस्थाननिर्धारित- केन्द्रे एव गत्वा परीक्षा दातव्या। तदर्थं संस्थानस्य मुख्यालयेन सह सम्पर्क: करणीय:।

v. आवेदनपत्रं ध्यानेन पूरयन्तु समये च समर्पयन्तु। विलम्बेन प्राप्ते सति आवेदनपत्रं न स्वीकरिष्यते।

vi. प्रवेशपरीक्षाशुल्केन सह अन्य: कोऽपि शुल्क: न प्रेषणीय:।

vii. सफलेभ्य: चितेभ्य: अभ्यर्थिभ्य: सूचना विद्यापीठ बेबसाईट द्वारा प्रकाशयिष्यते।

viii. आवेदनपत्रेषु (त्रिषु अपि नूतनानि छायाचित्रसहितानि छायाचित्राणि संश्लेषणीयानि।

ix. परीक्षाकेन्द्रं ध्यानेन पूरणीयम्। तदर्थं पृष्ठसंख्या 10 द्रष्टव्या।

i. इस पुस्तिका में तीन आवेदनपत्र संलग्न हैं- **अ, ब, स।**

ii. • **आवेदन पत्र 'अ'** संयोजक-सं.वि.वा.प्र.प., श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली को भेजना है।

• **आवेदन पत्र 'ब'** परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष के लिए है जिसे संयोजक-सं.वि.वा.प्र.प., श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली को भेजना है।

• **आवेदन पत्र 'स'** (प्रवेश पत्र) छात्र के लिए है जिसे प्रवेश परीक्षा के समय प्रस्तुत करना है।

iii. जो पुस्तिका/ फार्म का नम्बर है वही आपका अनुक्रमांक होगा।

iv. न्यूनतम 15 छात्र होने पर ही आपको वह परीक्षा केन्द्र मिलेगा जहाँ आपने माँगा है अन्यथा श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् द्वारा निर्धारित केन्द्र पर जाकर परीक्षा देनी होगी। इसके लिए आप विद्यापीठ नई दिल्ली से सम्पर्क करें।

v. आप फार्म सावधानीपूर्वक और समय से भरें। विलम्ब से प्राप्त होने पर आवेदनपत्र स्वीकार नहीं होगा।

vi. प्रवेश परीक्षा शुल्क के साथ अलग से अन्य कोई परीक्षा शुल्क न भेजें।

vii. सफल और चयन होने पर छात्रों की सूची विद्यापीठ की बेबसाईट पर प्रदर्शित की जाएगी।

viii. तीनों आवेदन पत्रों पर नूतन छायाचित्र दिनांक एवं नाम सहित चिपकायें।

ix. परीक्षा केन्द्र सावधानी से भरें। इसके लिए पृष्ठ 10 देखें।

i. This booklet contains three application forms **A, B, C.**

ii. • **Application form 'A'** is to be sent to Coordinator - CVVET, Shri Lal Bhadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi.

- **Application form 'B'** is for Centre Superintendent of the Examination Center and should be sent to Coordinator - CVVET, Shri Lal Bhadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi.
- **Application form 'C'** (Admit Card) is for the candidate to be presented at the time of entrance examination.

iii. The number given on the booklet/ form will be considered as your Roll Number.

iv. The examination centre of your choice shall be granted only if there are minimum fifteen candidates. Oherwise the examinee shall be required to appear at the centres fixed by Shri Lal Bhadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha (Deemed University) New Delhi 16

v. Kindly fill the form correctly and carefully within time. Late received forms shall be rejected.

vi. Do not send any examination fee other than entrance test fee.

vii. List of Selected candidates will be displayed on Vidyapeeta Website.

viii. Please paste three latest photographs (with date & name) on all the three copies of the application form.

ix. Please fill the examination centre carefully. For this please see page No. 10.